आपदा महत्वपूर्ण

पत्रांक 3256 /आ0प्र0
बिहार सरकार
आपदा प्रंधन विभाग

1786

प्रेषक,

अनिरूद्ध कुमार, भा0प्र0से0,
संयुक्त सचिव।

सेवा में,

प्रधान सचिव/ सचिव,
सभी विभाग, बिहार।

पटना–15, दिनांक– 29/8/16

विषयः **बाढ़ 2016 में हुई क्षति एवं उनके पुनर्स्थापन/ पुनर्निमार्ण पर होने वाले व्यय का आकलन करने के संबंध में।**

महाशय,

अवगत हों कि माह जुलाई के तृतीय एवं चतुर्थ सप्ताह में नेपाल के तराई क्षेत्रों में भारी वर्षा से महानंदा, कनकई, बकरा, परमान, कोसी, बूढ़ी गंडक एवं गंडक आदि नदियों में काफी जल प्रवाह बढ़ गया जिसके कारण उत्तरी बिहार के 14 जिलो में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी एवं अगस्त माह में दक्षिण बिहार से गुजरने वाली फल्गु नदी में अचानक पानी आ जाने के कारण राज्य के गया एवं जहानाबाद जिले प्रभावित हुए। झारखंड एवं मध्यप्रदेश में हुई भारी वर्षा से क्रमशः मोहम्मदगंज तथा बाणसागर डैम से छोड़े गए पानी के कारण दक्षिण बिहार से गुजरने वाली सोन नदी में पानी के प्रवाह में अत्यधिक वृद्धि हुई। सोन नदी में जल प्रवाह से बढ़े जल स्तर के कारण सोन नदी के किनारे बसे जिलो में बाढ़ का गंभीर संकट तो उत्पन्न हुआ ही, इससे गंगा का भी जल स्तर काफी बढ़ गया। अगस्त माह के तीसरे सप्ताह में गंगा नदी के बढ़े जल स्तर एवं तेज प्रवाह के फलस्वरूप गंगा नदी के किनारे अवस्थित राज्य के 12 जिलों का बड़ा भूभाग बाढ़ से प्रभावित हुआ है। बाढ़ के कारण फसलों एवं घरों की वृहद पैमाने पर क्षति हुई है एवं सार्वजनिक सम्पत्ति तथा पशुधन को भी व्यापक नुकसान पहुँचा है। अद्यतन बिहार के सिवान, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, जमुई, बांका, शेखपुरा एवं नवादा को छोड़ कर शेष 30 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं।

तदालोक में निदेशानुसार बाढ़ 2016 में आपके विभाग से संबंधित आधारभूत संरचना (भवन/ चाहरदीवारी/ सड़क/ पुल–पुलिया/ जल आपूर्ति व्यवस्था/ विद्युत आपूर्ति संरचना/ बांध/ सिंचाई संरचना इत्यादि), जान–माल (मानव, वयस्क/ अवयस्क, पशुधन/ फसल/ चारा इत्यादि) एवं अन्य प्रकार की क्षति एवं इसके पुनर्स्थापन/ पुनर्निमार्ण पर होने वाले व्यय का आकलन कर उसके प्रतिपूर्ति हेतु एन0डी0आर0एफ0 (भारत सरकार) को Memorandum तैयार कर भेजा जाना है।

D:\2016\Draft\Letter to all department.docx

अनुरोध है कि अपने विभाग से संबंधित क्षति एवं उनके पुनर्स्थापन/ पुनर्निमार्ण पर होने वाले व्यय का आकलन संबंधी विस्तृत एवं समेकित प्रतिवेदन अलग–अलग संधारित कर दिनांक 05.09.2016 तक आपदा प्रबंधन विभाग को हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराने की कृपा की जाए। सुलभ प्रसंग हेतु एक Model प्रपत्र संलग्न है, जिसमें स्थानीय/ विभागीय आवश्यकतानुसार परिवर्द्धन किया जा सकता है। साथ ही उपर्युक्त से संबंधित अग्रेजी भाषा में एक संक्षिप्त write-up की हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी भी उपलब्ध करायी जाए।

अनुलग्नकः यथोक्त।

विश्वासभाजन

29/8/16

(अनिरूद्ध कुमार)

संयुक्त सचिव

D:\2016\Draft\Letter to all department.docx

बाढ़ 2016 में हुई क्षति का आकलन संबंधी प्रतिवेदन

विभाग का नाम :–

क्र0 सं0	आधारमूत संरचना (भवन/ चाहरदीवारी/ सड़क/ पुल–पुलिया/ जल आपूर्ति व्यवस्था/ विद्युत आपूर्ति संरचना/ बांध/ सिंचाई संरचना इत्यादि)				जान–माल की क्षति			भूमि/फसल/पशु चारा की क्षति			निजी गृह क्षति				अभ्युक्ति
	संरचना का प्रकार	संख्या/ लंबाई/ क्षेत्रफल	क्षति की अनुमानित राशि	पुनर्स्थापन/ पुनर्निर्माण हेतु अनुमानित लागत	प्रभावित मानव आबादी की संख्या		प्रभावित पशुओं की संख्या	क्षेत्रफल	अनुमानित क्षति की राशि	अनुदान का आकलन	संख्या		क्षति की अनुमानित राशि	पुनर्स्थापन/ पुनर्निर्माण हेतु अनुमानित लागत	
					वयस्क	अवयस्क					कच्चा	पक्का			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

नोट :– इस प्रपत्र में दर्ज सूचनाओं के आधार पर विस्तृत विवरणी (यथा संरचना का प्रकार, भौगोलिक अवस्थिति (**location**), जिला/ प्रखंड/ ग्राम पंचायत/ गांव/ टोला) प्रतिवेदन अलग से संलग्न किया जाए।